

**THE INSTITUTE FOR
ADVANCED STUDIES
OF WORLD RELIGIONS**

FILM—STRIP NO.
MBB—1971— 177-99

**BUDDHIST SANSKRIT
MANUSCRIPTS**

MBB-1973-177
1. Film strip number

60
2. Source

MAHAYĀNASŪTRASĀNGRAHA (Vol. 6)
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied
(Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPALI PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

NEWARI
8. Script

30 cm. x 8 cm.
9. Size

6
10. Lines to a page

25 (163-187)
11. Number of leaves in complete work

X
12. Missing leaves

X
13. Author and Date of composition
(if given)

X
14. Number of Chapters

15. Remarks

Sūtras of sixth period.

April 10, 1973
Date photographed

[illegible]

सुताय स्वाहा ॥ यमाय स्वाहा ॥ यमपुत्रि कनमस्तुताय स्वाहा ॥ वज्रभय स्वाहा ॥ मानुषाय स्वाहा ॥ महामानुषाय स्वाहा ॥ अग्निाय स्वाहा ॥ वायवे स्वाहा ॥
नागविश्वकिताय स्वाहा ॥ देवगणाय स्वाहा ॥ नागगणाय स्वाहा ॥ यक्षगणाय स्वाहा ॥ वाक्यगणाय स्वाहा ॥ गन्धर्वगणाय स्वाहा ॥ असुरगणाय
स्वाहा ॥ गरुडगणाय स्वाहा ॥ किन्नरगणाय स्वाहा ॥ महाब्रह्मगणाय स्वाहा ॥ मनुष्यगणाय स्वाहा ॥ अमनुष्यगणाय स्वाहा ॥ सर्वेष्वेव स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ सर्वभूतगणाय स्वाहा ॥ किन्नरगणाय स्वाहा ॥ महाब्रह्मगणाय स्वाहा ॥ मनुष्यगणाय स्वाहा ॥ अमनुष्यगणाय स्वाहा ॥ सर्वेष्वेव स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ सर्वभूतगणाय स्वाहा ॥ सर्वयमगणाय स्वाहा ॥ सर्वविश्वगणाय स्वाहा ॥ सर्वभूतगणाय स्वाहा ॥ सर्वयमगणाय स्वाहा ॥ सर्वविश्वगणाय स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ सर्वभूतगणाय स्वाहा ॥ सर्वयमगणाय स्वाहा ॥ सर्वविश्वगणाय स्वाहा ॥ सर्वभूतगणाय स्वाहा ॥ सर्वयमगणाय स्वाहा ॥ सर्वविश्वगणाय स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ सर्वभूतगणाय स्वाहा ॥ सर्वयमगणाय स्वाहा ॥ सर्वविश्वगणाय स्वाहा ॥ सर्वभूतगणाय स्वाहा ॥ सर्वयमगणाय स्वाहा ॥ सर्वविश्वगणाय स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ सर्वभूतगणाय स्वाहा ॥ सर्वयमगणाय स्वाहा ॥ सर्वविश्वगणाय स्वाहा ॥ सर्वभूतगणाय स्वाहा ॥ सर्वयमगणाय स्वाहा ॥ सर्वविश्वगणाय स्वाहा ॥

[illegible]

प्रतिसूच

[illegible]

८५१

नवस्वाहा॥ स्याद्यथदी॥ अखनरविनखा॥ कृगमकृक
कृगमकृक नगलसमगलकृक मकृमकृलककलमकृक
निवावस्यसर्वसत्त्वानि विविदुपाकस्यमहावाजस्यनाम्नाव
कृवसवकृवलनिधायि॥ नभूवववकृकृमवकृववकृ
मयूकृदिति विदुस्स्वाहा॥ स्वस्त्यस्तुममसयनिवाव
नवस्वाहा॥ स्याद्यथदी॥ खलखलनगकृविदकृः

मसिककमकृकमकृकृगमकृकृमकृकृकृकृकृम
लल००००मिमिसेविदकृवृगवीरुस्वाहा॥ स्वस्त्यस्तुममसय
ननेधय्याधियथनवस्वाहा॥ स्याद्यथदी॥ खलखलनव
कृकृकृकृकृमानेविदकृविदसववाणपाफजुवा॥ सध
स्यसर्वसत्त्वाना॥ कृकृकृगकृस्यनाम्नावलनेधय्याधिय
॥ सवकृवाजानवकृवयलहीमयवर्गखनाथकृटि

[illegible]

नक्रवाणुकाकियर्गवनिमा नैगवजिविठका निस्वका लु मम सर्वसत्त्वानि विउरु न स्यादिनिस्वाहा ॥ वक्रवायथ शक्र श्वला कया लामह श्वना
इयकमनापकयहस वेहानी की वसपुष्टिका ॥ दयुष्यवगववयति गृह्णुममा कृति वीर्यसि रजसा कषी मे श्वर्यस वलन च निहता सर्वनागम
स्वका लु मम सर्वसत्त्वानां श्व सर्वरथो यडवा यम ॥ स्वाहा ॥ स्या श्रथय ॥ वज्रविवावलिषु मनि रु ऊ निरु ऊ नि विवम नि कि पु दू ध
सकलमानाथ मानवति शूनक्षनलिषु च वज्रसा यवति माना एता निस्वका लु मम सर्वसत्त्वानां पूर्वस्यादिनिस्वाहा ॥ वक्रवायथ शक्र
श्वला कया लामह श्वना इयकमनापकयहस वेहानी की वसपुष्टिका ॥ दयुष्यवगववयति गृह्णुममा कृति वीर्यसि रजसा कषी मे श्वर्यस वलन च निहता सर्वनागम
नच निहता सर्वनागम श्व स्वका लु मम सर्वसत्त्वानां श्व सर्वरथो यडवा यम ॥ स्वाहा ॥ स्या श्रथय ॥ ॥ निस्वका लु मम सर्वसत्त्वानां श्व सर्वरथो यडवा यम ॥ स्वाहा ॥ स्या श्रथय ॥ ॥ निस्वका लु मम सर्वसत्त्वानां श्व सर्वरथो यडवा यम ॥ स्वाहा ॥ स्या श्रथय ॥ ॥

१७१

प्रम

[illegible]

[illegible]

वसादिन स्यात्सूर्यगमने वदु यति संस्था नरथे वसं किंसे याजन विप्रयुक्त मृदलर्नया कि हि वक्ष्यता ४०० दपसी र्वनर्म घनन्न मनन सत्यन ॥ हा मुचलि ॥ य
जंगमा श्री जगै थे वस्तु वनाक सर्व सत्वा त्स्विनारु वदु साक्षा नमर्ण न च देव पूर्य वृद्ध नमर्थ श ॥ हा मुचलि ॥ यजंगमा श्री जगै थे वस्तु वनाक सर्व सत्वा ४ सुखिनारु वदु गक्षानमर्ण न च देव पूर्य
स्विनारु वदु सा र्व विनागं न च देव पूर्य धर्म नमर्थ श ॥ हा मुचलि ॥ यजंगमा श्री जगै थे वस्तु वनाक सर्व सत्वा ४ सुखिनारु वदु गक्षानमर्ण न च देव पूर्य
संघनमर्थ श ॥ हा मुचलि ॥ यानी हतृ कानि समागतानि छिन्नानि ह माव थवान्न विक्रु र्व दु मे जी सकर्षे प जा सु दि वा च ना जी च च व कु वमी ॥ यने व स ल्य
न जि ना जि का बि ४ स सत्य वा दी नि प्रु न स्या लि क ने व स ल्य न ॥ हा मुचलि ॥ म च कु स र्व थ म हा रु थ र्य ४ स्वा हा ॥ त्या था थ दी ॥ धि न वि धि भ व ल नि थ धि व ल माने सा
व व मि तु न प ह क या फ अ म न आ व धा धि भा व व लि अ चू न व ल व क भू न पा फ माने ग भ ह र्य न भ सूर्य नि थ धि स्वा हा ॥ त्या था थ दी ॥ ख भ ख भ या धा उ धा धः

वीजानि न्यस्तानि यथा मूकं ॐ दंपती रं वन सी घन त्र भ र न स ल य न ॐ हा सु ख कि रा म पु य क म न मा इ ट न उ प सी ज मी ॥ भो क म सा म न हि क पा फि या फा मृ
 नं वि ए म भा नू दानि वृ ति मा प्र व कि ॐ दंपती रं वन सी घन त्र भ र न स ल य न ॐ हा सु ख कि रा म पु य क म न मा इ ट न उ प सी ज मी ॥ य ग य कि रे न सा म का र्य द हि
 वि वि कि त्म का व सी लं व न द र्श न मा र्ग मा व ॐ दंपती रं वन सी घन त्र भ र न स ल य न ॐ हा सु ख कि ॥ न जा तु क र्य वि वि धं हि या र्प का य न वा वा म न सा थ वा यि प
 सु द नी र्य स ह सा न के त्वा ग थ न द हि ग ह के न र वा ॐ दंपती रं वन सी घन त्र भ र न स ल य न ॐ हा सु ख कि रा म पु य क म न मा इ ट न उ प सी ज मी ॥ य ग य कि रे न सा म का र्य द हि
 कि न पु क र्मा र्ग थ य मा र्ग पु क न स कि र्त्त य य मा र्ग मा न स व न स द र्श न ॐ दंपती रं वन सी घन त्र भ र न स ल य न ॐ हा सु ख कि ॥ य ग य कि रे न सा म का र्य द हि
 कि ग की न पु क न स द र्श न मा नि का य पु दान व म न स क लान के र य क र म वा प्र व कि ॐ दंपती रं वन सी घन त्र भ र न स ल य न ॐ हा सु ख कि ॥ अ वि य थ वा य ॥

[illegible]

नि सा व भि यु रु द वि यू ल पु रु सं क र्ष नि वि षा ण व ति शु क्क सा ध न व नू ल व ति वा स व वि हू ष सि वि षे ग म य लु घ ति य थ ग र्ह स्व लू म म स प वि वा य स म
व स लो नी चि स व रू था प ड वा य म र्ग ल स्था हा ॥ सा य थ र्द क ति ग ता व द रु द गु डा म र्ज सिं ह म द सा वा य पा फ र्द स ग म नि नि रु त नि रु त म रु त र
ह र्द ह र्द ह र्द ह र्द मू रु मू द नि व वा य व ति ह कि न न च व म ति च भु नि व व र्म न च व व र्म स्था हा ॥ सा य थ र्द ॥ ख ट ख ट वि ष ट वि म ल वि त वि व र्म व स व
म र्द र्द र्द र्द र्द अ म रु नि र्ग ष स्था हा ॥ म य थ ॥ रु म रु म क र व ति ख च ति ज कि नि ज व ल ग व र्ग ह वि ति नो व वि षा कि प षा कि स्था हा ॥ अ व नि स्था हा ॥ अ व नि स्था
हा ॥ र्ग र्ग र्ग स्था हा ॥ रु ली ग नि स्था हा ॥ स र्व का षा उ व ता उ र्दु द नि स्था हा ॥ ॐ मे मे उ प द र्म म स र्व स त्वा न चि त् स र्व का र वा द व ता उ ष धि म र्ज वि ष या ग म स र्व द्य व
रु दि ता रु दि ता जि ता क्ष प बा जि ता स्था हा ॥ सा य थ र्द ह नि क ति न कि र व हि व अ म न अ लु प य लु व क ट क क य व ह स ह स ह स ख स ख स ख स ख वी ग म य ग ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

रा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

၇၈၈

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कृतेष्ववाधिसत्वेर्महासत्वे ॥ कुरुगवानायासकमानदः
 युष्मानदाकुरुगवदकुरुगवदकुरुगवदकुरुगवद
 विहन्यामुष्मानिवनाकुरुगवानायासकमानदमान
 शिला ॥ मानिमहामकानुमानितीमैरुयदानिराषस्त ॥
 कावृक्षालोकानुक्रमिक ॥ आह्वययनिसर्वद्वानुमननाम
 मरुनसर्वधवकानुमननसर्वसहवाकानुमननप्रत्यक

मामकुरुगवद ॥ आगयानेदयनवेक्षणीमिजर्वरुदकला
 पदकुरुनयदवाधिकविषवेक्षणीमनूयाफावेक्षणी
 कुरुगवद ॥ गच्छानेदवेक्षणीमत्वा ॥ दुकीनपादस्थापः
 माध्यगाथाश्विसनकदिसनकदिसनकदिसनकदिसन
 च्यप्रत्यकवृक्षानुमननामर्वरुगानुमननामर्वमेकानु
 वृक्षानुमननकाभेष्टवानुमनन ॥ दानुमननदेवानुम

ना। आहमनायकथाधर्मकयायिदजगत्सीकयसर्वी॥ मांत्वा वाग्धमसुव॥ वि॥ किकायस्य ह्युविधस्माविमनीकता॥ अविह्यकनायाससर्व
स्वस्तिकविश्वकि॥ याजगन्माकमार्गसिन्निवेसयतिमायक॥ दक्षकस्य सर्वधर्मासीमर्वस्वस्तिकविश्वकिगतिर्याजगन्मासा कर्त्तयनसुखवदु
र्थायसर्वसत्त्वानीसर्वस्वस्तिकविश्वकिगतिर्याजगन्चेकमेवविह्यनकायिनायासिगियुवन्निर्त्यसर्वस्वस्तिकविश्वकिगतिर्याजगन्सर्वसत्त्वानीसर्वी
य॥ यथायसीसीसावेवर्त्तमानानीसर्वस्वस्तिकविश्वकिगतिर्याजगन्सर्वधर्मासीमर्वस्वस्तिकविश्वकिगतिर्याजगन्सर्वस्वस्तिकविश्वकि
यस्तिज्जगन्महावीरसमृद्धा॥ सर्वसंपद॥ सिद्धार्थीसिद्धसीकान॥ सर्वस्वस्तिकविश्वकिगतिर्याजगन्सर्वधर्मनीसर्वनय्यपक्यमासर्वसत्त्वा॥ यमुदिना॥
सर्वस्वस्तिकविश्वकिगतिर्याजगन्सर्वधर्मासीमर्वस्वस्तिकविश्वकिगतिर्याजगन्सर्वधर्मवदुयव

[illegible]

१६ नमो भगवते आर्यमहासीनवत्ये ॥ अथ खलु भगवान्ना
मीनवतीनामधनवीं विद्याच्छगुरुर्धर्मपर्वद्विक्तावबध
मत्तानाच्छदीर्घाज्जमर्थयद्विनायसुखाययोगक्रमा
नवीं गमामद्विगमरुगमामसुबानकनवीं गमामसुबवीः
००० कीमता ह्रीं मा ह्रीं मकीमता यिविमाना मेहोकि
नला विकालि विलिहिलि २ सुमनिवसुमनि वलूनद

युष्मकं बाह्यसमाभ्युदयकम् ॥ उच्छ्रुत्वा ह्यलक्ष्मीमहा
गुफयति ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ना मूयाध कमुयासिकानीव सर्व
यकविष्णुनि ॥ नयथा ॥ श्रीगमद्विगमकलिंगवर्गमसमाव
ना नवीवीवा नवीनवीवीवा कनवीवा कनवीवीवा ०००
वा विहोका कालुहिका अणदवा जयालिका वलाः
वलूननद वलूननाडि कनाडि होवीटकी २ कावीटकि २ कि

[illegible]

768

॥ ॐ नमः ॥
॥ ० ॥



[illegible]

पनाशनि मार्गः शुभृत्युदः शुभित्वाविति मानिनि महामानिनि चतुर्विधसु विटि २ विटि २ निवि २ निवुठयाविति वीविति पवय समवयधुलि मार्गणि नूध
सिंहचमि वरुमि सुमहि पूर्वमि सवविश्ववविश्वैकविडमिठिडामिठिपचनियाचनिमर्दनि समज २ सनसंरुहो नमात्वा रुष्टविदाविति विव्यः
विशि महि २ महामहि २ निगठनिगठ निगठरुज महामहिनि यानुचकुचकुवाकिनि रुत २ कालिनि सवविश्वववि सर्वयाविहाविति वृत्ति २ वृ
डिनि २ महावृत्तिनि निमि २ निमिधविहिता कदहनि रु २ रुकवावला कनि वजययधुपाश मूकवासि रुकविगू लवि कामति महाविश्याधविजक २
सर्वस्व नगर्ग सर्वद्वरुयथ २ सर्वमनूयामनूयक यथ २ सर्वव्याधिरु २ वरुवरुवकि वरुयाति २ वरुहिनि २ मिनि २ किनि २ विनि २ सनि २ वन २ ववद
सर्वजयल सुखाहा २ सर्वपापविद्याविति स्वाहा २ सर्वव्याधिह निहि स्वाहा २ संरुचसि स्वाहा २ सर्वल कुरुयह वि स्वाहा २ वरुहिवरुमम सर्वसत्त्वानि स्वाहा

[illegible]